शोक-प्रकाश

माननीय सदस्यगण, विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, समाजसेवी, साहित्यकार और आम नागरिक गुजर गये। इनमें से मुलायम सिंह यादव, सैय्यद सिब्ते रजी, डॉ0 सबा अहमद, समरेश सिंह, देवीधन बेसरा, मोहरिल मुर्मू, रजनीश आनंद, अरूण कुमार बोस, अमिताभ चौधरी, धनिकलाल मण्डल, शमशेर जंग बहादुर सिंह, सुभाष सिंह, केदारनाथ पांडे, जस्टीन केरकेट्टा, नन्दलाल कुम्हार, पं0 गोपाल प्रसाद दूबे, ईला भट्ट, डॉ0 जे0जे0 ईरानी, विक्रम किर्लोस्कर, विक्रम गोखले, तब्बसुम, राजू श्रीवास्तव प्रमुख हैं।

झारखण्ड और असम के पूर्व राज्यपाल, सैय्यद सिब्ते रजी का 20 अगस्त, 2022 को निधन हो गया। 07 मार्च, 1939 को रायबरेली में जन्मे सैय्यद सिब्ते रजी झारखण्ड के चौथे राज्यपाल थे (के रूप में दिनांक 10 दिसम्बर, 2004 से दिनांक 25 जुलाई, 2009 तक रहे) स्व0 रजी 1980, 1988 एवं 1992 में राज्य सभा सांसद भी रहे। फूलों के शौकीन सैय्यद सिब्ते रजी ने अपने कार्यकाल के दौरान आमजनों के लिए राजभवन के उद्यान को खोलने की परम्परा की शुरूआत की थी। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव का निधन दिनांक 10 अक्टूबर, 2022 को हो गया। वे आठ बार विधान सभा सदस्य, सात बार सांसद, दो बार केन्द्रीय मंत्री रहे थे। उन्होंने वर्ष 1996 में देश के रक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला था। उनका निधन राजनीतिक जगत की बहुत बड़ी क्षति है जिसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है। उनकी मृत्यु से लोहिया और जे0पी0 की राजनीतिक धारा के एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तम्भ का अंत हो गया।

वर्ष 1991, 1995 एवं 2000 में टुण्डी विधानसभा क्षेत्र के तीन बार प्रतिनिधित्व करने वाले झारखण्ड विधान सभा के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ0 सबा अहमद का 19 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। वे वर्ष 1997 में एकीकृत

बिहार सरकार में गृह, कारा तथा वर्ष 2000 में उच्च शिक्षा मंत्री रहे। झारखण्ड विधान सभा के उपाध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल 19.08.2004 से 06.03.2005 तक रहा। उनकी पहचान दिग्गज राजनेता के अलावा ख्याति प्राप्त नेत्र चिकित्सक एवं पशु-पक्षियों के प्रेमी के रूप में थी। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

झारखण्ड की राजनीति में दादा कहे जाने वाले पूर्व मंत्री समरेश सिंह का निधन 01 दिसम्बर, 2022 को हो गया। वर्ष 1977 में पहली बार बाघमारा विधान सभा सीट से निर्दलीय निर्वाचित हुए तथा वर्ष 1985, 1990, 2000 एवं 2009 में बोकारो विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। जुझारू एवं संघर्षशील नेता के रूप में उनका व्यक्तित्व दलीय राजनीति से ऊपर था। झारखण्ड के राजनीतिक जगत में उनके गुजर जाने से जो शून्यता पैदा हुई उसकी भरपाई निकट भविष्य में हो पाना संभव नहीं है।

वर्ष 1980-90 में बिहार विधानसभा तथा वर्ष 2000 से 2005 में झारखण्ड विधान सभा के सदस्य-सह-पूर्व कृषि मंत्री तथा राजमहल संसदीय क्षेत्र से पूर्व सांसद रहे देवीधन बेसरा का निधन दिनांक 24 अगस्त, 2022 को हो गया। हम सभी उनके निधन से मर्माहत हैं।

झारखण्ड आंदोलनकारी एवं जामा के पूर्व विधायक मोहरील मुर्मू का दिनांक 26 सितम्बर, 2022 को निधन हो गया। वे वर्ष 1995 में जामा से विधायक बने थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। गोड्डा से पूर्व विधायक रजनीश आनंद का निधन दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को हो गया। वे वर्ष 1995 से 2000 तक विधायक रहे थे। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

वर्ष 1980 में जामताड़ा के पूर्व विधायक रहे अरूण कुमार बोस का दिनांक 19 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया। हम सब उनके निधन से मर्माहत हैं।

दिनांक 05 जुलाई, 1960 को जन्मे पूर्व आई0पी0एस0 अधिकारी एवं जे0पी0एस0सी0 अध्यक्ष रहे अमिताभ चौधरी का 16 अगस्त, 2022 को असामयिक निधन हो गया। वर्ष 2022 में उन्होंने बी0सी0सी0आई0 के सदस्य तथा वर्ष 2005 में जे0पी0एस0सी0 के अध्यक्ष का भी कार्यभार संभाला। झारखण्ड में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में इनकी अहम् भूमिका रही। इनका हमारे बीच से चला जाना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है।

वर्ष 1967 से 1969 तक बिहार विधानसभा के अध्यक्ष, झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद तथा हरियाणा के पूर्व राज्यपाल रहे धनिकलाल मण्डल का दिनांक 13 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। वर्ष 1990 में वे हरियाणा के राज्यपाल बनाये गये थे। हम सभी उनके निधन से मर्माहत हैं।

पूर्वी बिहार की राजनीति के भीष्म-पितामह कहे जाने वाले बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शमशेर जंग बहादुर सिंह का दिनांक 11 अगस्त, 2022 को निधन हो गया। एक कुशल राजनेता और प्रसिद्ध समाजसेवी का असामयिक निधन होना अत्यंत दुखद है।

गोपालगंज सदर से वर्ष 2005 से लगातार चार बार विधायक रहे पूर्व सहकारिता मंत्री सुभाष सिंह का दिनांक 16 अगस्त, 2022 को निधन हो गया।

बिहार विधान परिषद् के सदस्य केदारनाथ पांडे का निधन दिनांक 23 अक्टूबर, 2022 को हो गया। वे वर्ष 2002 से सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पार्षद थे।

वर्ष 1978 के हॉकी विश्वकप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सिमडेगा जिला के पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जस्टीन केरकेट्टा का दिनांक 03 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया। उनका निधन खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

वर्ष 1940 में जन्में सरायकेला खरसावां जिला के अन्तर्राष्ट्रीय छउ एवं मूर्ति कलाकार नन्दलाल कुम्हार का दिनांक 23 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया। उन्होंने 1984 में जापान और दक्षिण कोरिया, वर्ष 1991 में इटली, स्वीटजरलैण्ड तथा वर्ष 1994 में फ्रांस जाकर मानभूम छउ कला का प्रदर्शन करते हुए झारखण्ड का नाम रौशन किया था। उनका निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

वर्ष 2012 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित छउ गुरू पं0 गोपाल प्रसाद दूबे का दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। उनका निधन होना कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

वर्ष 1997 में रैमन मैग्सेसे, 1986 में राईट लाईवलीहुड पुरस्कार, पद्मभूषण तथा वर्ष 2011 में गाँधी शांति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात महिला अधिकार कार्यकर्ता और सेल्फ ईम्प्लाइड विमेंस एसोसियेशन SEWA (सेवा) की संस्थापक ईला भट्ट का दिनांक 02 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। उनके निधन से महिला अधिकारों की आवाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

दिनांक 02 जून, 1936 में जन्में स्टील के पूर्व एम0डी0 एवं पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित डॉ0 जे0जे0 ईरानी का दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया। वे वर्ष 1988 में टाटा स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक और वर्ष 1992 में प्रबंध निदेशक रहे थे। उनकी कमी सदैव हम सबों को खलेगी।

भारत में टोयटा के कारोबार लाने वाले विक्रम किर्लोस्कर का दिनांक 10 दिसम्बर, 2022 को हो गया। उनका निधन उद्योग जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

श्लाका सम्मान, राष्ट्रीय दिनकर सम्मान से सम्मानित हिन्दी साहित्य के प्रमुख समालोचक और वरिष्ठ लेखक डॉ0 मैनेजर पाण्डेय का दिनांक

05 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। उनकी रचनायें हिन्दी समालोचकों के लिए पथ-प्रदर्शक बनी रहेंगी।

हिन्दी मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता विक्रम गोखले का दिनांक 27 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। उन्होंने लगभग पाँच दशक तक अपने अभिनय का लोहा मनवाया था।

मशहूर अभिनेत्री तब्बसुम का दिनांक 19 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया। उन्होंने दूरदर्शन के सेलेब्रेटी टॉक शो 'फूल खिले हैं, गुलशन-गुलशन' की मेजबानी की थी। इनका निधन सिनेमा जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।

प्रख्यात हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव का दिनांक 21 सितम्बर, 2022 को निधन हो गया। हास्य कलाकार के रूप में उनकी कमी सदैव हम सभी को खलेगी।

31 अक्टूबर, 2022 को गुजरात के मोरबी शहर में मच्छु नदी केबल पुल के टूटने से हुए हादसे में मौतों की घटना हृदयविदारक है।

दिनांक 28 जुलाई, 2022 को राजस्थान के बाडमेर में वायु सेना के लड़ाकू विमान मिग-21 में दो पायलटों की मौत तथा दिनांक 21 अगस्त, 2022 को अरूणाचल प्रदेश में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चार सैनिकों के शहीद होने की घटना अत्यंत ही पीड़ादायक है। अभी हाल में बिहार में हुई मौतें अत्यंत ही पीड़ादायक हैं।

ईश्वर सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और उनके शोक संतप्त परिजनों को दुख की घड़ी में सहन करने की शक्ति प्रदान करे।